Space on Wheels Exhibition

ISRO's "Space on Wheels" Outreach Programme in Jharkhand:

Under the dynamic leadership of **Vigyan Bharati Jharkhand Prant**, the prestigious outreach programme "Space on Wheels" by the **Indian Space Research Organisation (ISRO)** was successfully organized across Jharkhand from 5–13 February 2026. The nine-day scientific journey emerged as a landmark initiative aimed at promoting scientific temper among school students and creating awareness about India's remarkable achievements in space science and technology. The programme reached more than 28,000 students across multiple centres, making it one of the largest space science outreach movements in the state.

The journey commenced at **IIT (ISM) Dhanbad**, where the exhibition was inaugurated by Prof. Sukumar Mishra. The event at IIT (ISM) formed a major highlight, especially during the III–2026 Conclave, attracting approximately 13,000 students. The exhibition featured scaled models and live demonstrations of India's prominent launch vehicles and space missions, including SLV-3, ASLV, PSLV, GSLV, NGLV, the Reusable Launch Vehicle Technology Demonstrator (RLV-TD), Chandrayaan missions, Mangalyaan, the Gaganyaan Crew Escape System, NavIC satellites, IRS remote sensing satellites, and the proposed Bharatiya Antariksh Station. Students enthusiastically interacted with ISRO experts and gained firsthand exposure to the applications of space technology in disaster management, agriculture, weather forecasting, climate monitoring, telecommunications, and navigation.

After Dhanbad, the outreach expanded to Ranchi and other nodal centres under the coordination of Vigyan Bharati Jharkhand Prant. The concluding programme was held at Neerja Sahay DAV Public School in the presence of Prof. Sarang Madhekar, Vice-Chancellor of Central University of Jharkhand. In Ranchi alone, more than 15,000 students participated across various institutions, reflecting the widespread enthusiasm generated by the initiative.

At **Bridgeford School, Ranchi**, the exhibition witnessed tremendous participation, with over 3,000 students from Bridgeford School (Classes VII–XI), Bridgeford G.P. Jalan Memorial School, Delhi Public School (DPS), ODM Sapphire Global School, Vivekanand School, and Government High School (GUHS), Hatia attending the event. Students explored India's space journey through models of satellites and launch vehicles and observed demonstrations of the Vikram Lander and Pragyan Rover. The interactive sessions with ISRO scientists ignited curiosity and motivated students to aspire for careers in space research and advanced

technology. The successful organization at this centre was supported by dedicated coordination and cooperation from the host institutions.

Similarly, the exhibition held on 9–10 February at **Loreto Convent School, Doranda** attracted around 4,000 students. Students from Loreto Convent School, St. Xavier's School (Doranda), Bishop Westcott Girls' School (Doranda), and Prabhat Tara School (Dhurwa) participated actively. The event was especially impactful for students from rural and tribal backgrounds, who had the rare opportunity to directly interact with space scientists and learn about India's missions such as Chandrayaan and Mangalyaan. The initiative strengthened scientific awareness and inspired young minds to dream beyond conventional career paths.

Overall, the "Space on Wheels" outreach programme successfully engaged over 28,000 students—approximately 13,000 at IIT (ISM) Dhanbad and more than 15,000 across Ranchi and surrounding centres. The initiative not only showcased India's technological achievements but also nurtured scientific curiosity, national pride, and aspiration among the youth of Jharkhand. Through this impactful programme, Vigyan Bharati Jharkhand Prant reaffirmed its commitment to promoting science-based nation-building and inspiring the next generation of scientists, engineers, and innovators.

विज्ञान भारती झारखंड की पहल पर लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल पहुंची इसरो की स्पेस ऑन व्हील्स

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की मोबाइल अंतरिक्ष प्रदर्शनी स्पेस ऑन व्हील्स का आयोजन 9 एवं 10 फरवरी को लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल, डोरंडा में सफलतापूर्वक किया गया। इस दो दिवसीय आयोजन में लगभग 4,000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम विज्ञान भारती, झारखंड प्रांत की पहल पर आयोजित किया गया। इस दौरान लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल, सेंट जेवियर्स स्कूल, डोरंडा, बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा एवं प्रभातारा स्कूल, धुर्वा के छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों को नजदीक से जाना। स्पेस ऑन व्हील्स बस में उपग्रहों के मॉडल, प्रक्षेपण यान, चंद्रयान एवं मंगलयान मिशन, अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित पोस्टर, वीडियो एवं इंटरैक्टिव मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिन्होंने विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और जिज्ञासा उत्पन्न की। इस अवसर पर विज्ञान भारती, झारखंड प्रांत के सचिव डॉ. चंद्र शेखर द्विवेदी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना तथा विशेषकर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों को विज्ञान, तकनीक एवं अंतरिक्ष अनुसंधान से जोड़ना है। इसरो के वैज्ञानिकों एवं प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी जानकारियाँ सरल एवं रोचक ढंग से साझा कीं तथा छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए। विद्यार्थियों के अनुभव अपने अनुभव साझा करते हुए लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल की दशीस्र छात्रा सिद्धिदात्री द्विवेदी ने कहा–मुझे स्पेस ऑन व्हील्स बस देखकर बहुत अच्छा लगा। मैंने रॉकेट, सैटेलाइट और चाँद-ग्रहों की तस्वीरें देखीं। मुझे पता चला कि इसरो रॉकेट को अंतरिक्ष में भेजता है और हमें ऊपर से मदद करता है। मैं बड़ी होकर अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनना चाहती हूँ। शिक्षकों एवं आयोजकों ने विज्ञान भारती झारखंड और इसरो की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में विज्ञान को लेकर रुचि और नवाचार की भावना को मजबूत करते हैं तथा उन्हें भविष्य के लिए प्रेरित करते हैं।

SPACE ON WHEELS

CREW ESCAPE SYSTEM

लोरेटो कॉन्वेंट में इसरो की 'स्पेस ऑन व्हील्स' प्रदर्शनी का शुभारंभ

झारखंड में पहली बार स्कूल में इसरो का व्यापक आउटरीच कार्यक्रम

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

चलित अंतरिक्ष प्रदर्शनी 'स्पेस ऑन व्हील्स' की जानकारी लेते विद्यार्थी.

लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की चलित अंतरिक्ष प्रदर्शनी 'स्पेस ऑन व्हील्स' का शुभारंभ किया गया. इस पहल के तहत इसरो 14 फरवरी तक झारखंड के विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों को भारतीय अंतरिक्ष अभियानों, उपग्रह प्रणालियों और रॉकेट तकनीक की जानकारी देगा. झारखंड में पहली बार इस स्तर का व्यापक इसरो आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है.

इस कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समुदाय सहित सभी वर्गों के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना है. 'स्पेस ऑन व्हील्स' बस दो दिनों तक लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल परिसर में रहेगी. इस दौरान छात्र-छात्राएं प्रदर्शनी के माध्यम से अंतरिक्ष मिशनों, उपग्रहों की कार्यप्रणाली, रॉकेट प्रक्षेपण तकनीक और भविष्य की अंतरिक्ष योजनाओं की जानकारी प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त कर सकेंगे. उदघाटन समारोह में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के कुलपति प्रो सारंग मेधेकर ने कहा कि इसरो की यह पहल विज्ञान को पुस्तकों की सीमाओं से बाहर लाकर विद्यार्थियों तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है. प्राचार्या सिस्टर थाइस मारिया क्लारा के ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं को विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है. कार्यक्रम में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व डीन प्रो एसी पांडेय, भू-सूचना विज्ञान विभाग के डॉ चंद्र शेखर द्विवेदी सहित स्कूल की शिक्षिकाएं उपस्थित थीं.

दैनिक भास्कर रांची 10-02-2026

सिटी एंकर — 14 फरवरी तक झारखंड के विभिन्न स्कूलों में जाएगी इसरो की बस, भारतीय अंतरिक्ष मिशनों की जानकारी देगी

रांची पहुंची 'स्पेस ऑन व्हील्स', बच्चों ने कहा- हम भी बनेंगे एस्ट्रोनॉट

सिटी रिपोर्टर | रांची

इसरो की चलित अंतरिक्ष प्रदर्शनी 'स्पेस ऑन व्हील्स' सोमवार को डोरंडा स्थित लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल पहुंची। छात्रों ने एक मिनी बस में पूरे अंतरिक्ष को देखा। बस के अंदर जाते ही स्टूडेंट्स ने पहली पीढ़ी के सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल एसएलवी और एएसएलवी और जीएसएलवी को स्क्रीन पर देखा। इसके अलावा बस में चंद्रयान-3, चंद्रयान-4, मंगलयान (मॉम) और एक पूरा सौरमंडल देख बच्चे चकित थे। झारखंड में पहली बार इस प्रकार का व्यापक इसरो आउटरीच कार्यक्रम हो रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी वर्गों के बच्चों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा का विकास करना है। 'स्पेस ऑन व्हील्स' बस दो दिनों तक लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल में रहेगी। विद्यार्थियों को इसरो की अंतरिक्ष यात्रा, उपग्रह प्रणाली, रॉकेट तकनीक तथा भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के बारे में जानकारी देगी।

ऐसी पहल विद्यार्थियों में अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति रुचि जगाएगी : प्रो. सारंग

इसरो की बस के अंदर प्रवेश करतीं छात्राएं तथा उनको अंतरिक्ष के बारे में जानकारी देते इंस्ट्रक्टर।

कार्यक्रम का उद्घाटन सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के कुलपति प्रो. सारंग मेधेकर ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने इसरो के इस अभिनव आउटरीच कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहल विद्यार्थियों को विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान से जोड़ने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लोरेटो कॉन्वेंट की प्रिंसिपल सिस्टर थाइस मारिया क्लारा ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है और इससे विज्ञान एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में करियर के नए अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। कार्यक्रम में सीयूजे के पूर्व डीन प्रो. एसी. पांडेय तथा डॉ. चंद्र शेखर द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

छात्राओं ने कहा-

आराध्या बर्मन : मैं भी अंतरिक्ष में जाऊंगी

बस में मैंने चंद्रयान-3, चंद्रयान-4, इंडियन रिमोट कंट्रोल रॉकेट लॉन्चर देखा। बस के ऊपरी हिस्से में एक पूरा सौरमंडल बनाया गया है। जिस तरह सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में गईं, मैं भी अंतरिक्ष यात्री बनूंगी।

आराध्या दुबे : इसरो के उपग्रह सुरक्षा देते हैं

इसरो की बस में हमें अंतरिक्ष से जुड़ी कई बातें पता चलीं। जैसे कि इसरो के द्वारा जो उपग्रह आसमान में छोड़े जाते हैं, वे हमें मौसम से जुड़ी जानकारियां देते हैं। अत्याधुनिक सेंसरों के माध्यम से सटीक मौसम पूर्वानुमान, चक्रवात की निगरानी, बादलों की गति

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | Estd. 1838 | RANCHI | FRIDAY, FEBRUARY 6, 2026

THE TIMES OF INDIA

To advertise with us, call 1800 120 5474 | To order your copy, call 1800 1200 004 toll free

CAMPUS DIARIES

Isro's 'Space on Wheels' at Loreto Convent in Ranchi

The Indian Space Research Organisation (Isro) inaugurated its mobile space exhibition, Space on Wheels, at Loreto Convent School in Ranchi on Monday, marking the beginning of a major outreach initiative in state. Sarang Medhekar, vice-chancellor of the Central University of Jharkhand, said, "It is an inspiring initiative that connects students from tribal and rural backgrounds with space science and motivates them to pursue scientific careers." Isro will visit schools across state till February 14 to promote scientific awareness and share knowledge about India's space missions.

Students visit Isro's 'Space on Wheels' in Ranchi on Monday

CHOICE TIMES
Kolkata, Monday 09 February 2026
NATIONAL

ISRO's 'Space on Wheels' Draws Huge Student Interest at III-2026 in Dhanbad

Debasis Ghosh

Dhanbad: Under a special initiative of Vigyan Bharati, Jharkhand Prant, the Indian Space Research Organisation (ISRO) exhibition 'Space on Wheels' has emerged as a major attraction at the Industry–Institute Interaction–2026 (III– 2026) being held from February 6 to 8 at IIT (ISM) Dhanbad.

Space on Wheels is a state-of-the-art mobile science exhibition bus that showcases ISRO's journey, major scientific milestones, and India's achievements in space science and technology. The exhibition highlights key missions such as Chandrayaan and Mangalyaan, satellite launch vehicles, and rocket technologies, along with ISRO's applications in disaster management, weather forecasting, agriculture, water resources, communication, navigation, and education.

So far, around 8,000 school students from across Jharkhand have visited the exhibition, reflecting strong enthusiasm among young learners. Students actively engaged with interactive models, posters, and audio-visual displays, gaining deeper insights into space science and its real-world applications.

During the event, ISRO Group Director Dr. Shashi Reddy interacted with students, sharing insights into ISRO's work culture, upcoming space missions, and career opportunities in the space sector. Prof. Sukumar Mishra, Director, IIT (ISM) Dhanbad; Naresh Chafekar; Praveen Ramdas, National Joint Organising Secretary, Vigyan Bharati; and Dr. N. P. Shukla also interacted with students, encouraging them to develop a scientific temperament, innovation-driven thinking, and a spirit of indigenous technological development.

Dr. Chandra Shekhar Dwivedi, Secretary, Vigyan Bharati Jharkhand Prant, said the inclusion of Space on Wheels in III–2026 aims to ignite scientific curiosity among students and inspire them to contribute to nation-building. He added that such programmes help take science beyond laboratories and closer to society.

The Space on Wheels exhibition has become a source of inspiration not only for students but also for teachers and the general public, serving as a bridge between science, society, and industry, and reinforcing the vision of Atmanirbhar Bharat.

---

www.epaper.azadsipahi.in
10 फरवरी, 2026
फाल्गुन, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00
रांची
मंगलवार, वर्ष 11, अंक 113
कलम कलम बढ़ाये जा
आजाद सिपाही
टेक्नोलॉजी का गुलाम न बनें: मोदी

विज्ञान भारती की पहल पर लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल पहुंची स्पेस ऑन व्हील्स

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की मोबाइल अंतरिक्ष प्रदर्शनी स्पेस ऑन व्हील्स का आयोजन 9 एवं 10 फरवरी को लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल, डोरंडा में सफलतापूर्वक किया गया। इस दो दिवसीय आयोजन में लगभग 4,000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम विज्ञान भारती, झारखंड प्रांत की पहल पर आयोजित किया गया। इस दौरान लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल, सेंट जेवियर्स स्कूल, डोरंडा, बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा और प्रभातारा स्कूल, धुर्वा के छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों को नजदीक से जाना। स्पेस ऑन व्हील्स बस में उपग्रहों के मॉडल, प्रक्षेपण यान, चंद्रयान और मंगलयान मिशन, अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित पोस्टर, वीडियो एवं इंटरैक्टिव मॉडल प्रदर्शित किये गये, जिन्होंने विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और जिज्ञासा उत्पन्न की। इस अवसर पर विज्ञान भारती, झारखंड प्रांत के सचिव डॉ. चंद्र शेखर द्विवेदी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और विशेषकर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों को विज्ञान, तकनीक और अंतरिक्ष अनुसंधान से जोड़ना है। ISRO के वैज्ञानिकों एवं प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी जानकारियां सरल एवं रोचक ढंग से साझा कीं तथा छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिये। अपने अनुभव साझा करते हुए लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल की दशीस्त्र छात्रा सिद्धिदात्री द्विवेदी ने कहा– मुझे स्पेस ऑन व्हील्स बस देखकर बहुत अच्छा लगा। मैंने रॉकेट, सैटेलाइट और चांद-ग्रहों की तस्वीरें देखीं। मुझे पता चला कि कफ्ड रॉकेट को अंतरिक्ष में भेजता है और हमें ऊपर से मदद करता है। मैं बड़ी होकर अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनना चाहती हूं। शिक्षकों और आयोजकों ने विज्ञान भारती झारखंड और ISRO की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में विज्ञान को लेकर रुचि और नवाचार की भावना को मजबूत करते हैं और उन्हें भविष्य के लिए प्रेरित करता हैं।

SPACE ON WHEELS

SPACE ON WHEELS

SPACE ON WHEELS

NIRJA SAHAY DAV PUBLIC SCHOOL
SPACE ON WHEELS
12.02.2026

SPACE ON WHEELS

SPACE ON WHEELS
moto g86 power 5G
Credit & Courtesy : Dr.Madhuri
12 Feb 2026 11:47 am

SPACE ON WHEELS
BLOCK-B

SPACE ON WHEELS

नीरजा सहाय डी.ए.वी. में पहुंची इसरो की स्पेस ऑन व्हील्स प्रदर्शनी बस, विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

उत्कल मेल संवाददाता

रांची : ककि स्थित नीरजा सहाय डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ह) द्वारा संचालित चलंत प्रदर्शनी बस स्पेस ऑन व्हील्स के आगमन से विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अनूठी प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया और इसरो की ऐतिहासिक उपलब्धियों से रूबरू हुए। विज्ञान भारती, जो विद्यार्थी विज्ञान मंथन प्रतियोगिता का आयोजन करती है, के महासचिव चंद्रशेखर द्विवेदी के सहयोग से यह प्रदर्शनी बस डीएवी प्रांगण में पहुँची। इसका उद्देश्य ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को वैज्ञानिक उन्नति से जोड़ते हुए विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनाना है। यह संस्था पारंपरिक भारतीय ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वित कर वैज्ञानिक नवाचार, स्वदेशी तकनीक और शिक्षा को बढ़ावा देती है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अरविंद चंद्र पांडे (डीन, राष्ट्रीय संसाधन प्रबंधन विद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय रांची), एम.के. सिन्हा (ए.आर.ओ. सह प्राचार्य, डीएवी कपिल देव, जोन-बी), एस.के. मिश्रा (ए.आर.ओ. सह प्राचार्य, डीएवी बरियातू, जोन-जे), एसआर डीएवी पुंदाग के प्राचार्य डॉ. तापस घोष, डीएवी आनंद स्वामी की प्राचार्या मती रिशु चौधरी, डीएवी गांधीनगर के प्राचार्य प्रदीप कुमार झा, मती नीता पांडेय (सीएम स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस), कैब्रियन पब्लिक स्कूल ककि की प्राचार्या मती परमजीत कौर तथा मेजबान विद्यालय की प्राचार्या मती किरण यादव उपस्थित रहीं। प्रदर्शनी में सात विद्यालयों–डीएवी गांधीनगर सीसीएल, बरियातू, कपिल देव, आनंद स्वामी, सनातन विद्या निकेतन ककि, कैब्रियन पब्लिक स्कूल ककि एवं मेजबान विद्यालय–के लगभग 1500 विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भाग लिया। स्पेस ऑन व्हील्स एक अनोखी मोबाइल प्रदर्शनी है, जो देशभर में भ्रमण कर छात्रों एवं आमजन को चंद्रयान-3 सहित भारत के प्रमुख अंतरिक्ष अभियानों की जानकारी प्रदान कर रही है। यह पहल ग्रामीण, शहरी एवं जनजातीय क्षेत्रों में वैज्ञानिक चेतना जागृत करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है।

As the leading scientific organization behind the initiative, **Vigyan Bharati (VIBHA)** played a pivotal role in conceptualizing and promoting the conclave as a national scientific movement aligned with self-reliance. Through its network of scientists, academicians, and policymakers, VIBHA ensured that the event transcended academic discourse and translated into actionable national priorities. The organization emphasized indigenous knowledge systems, scientific excellence, and youth engagement, reinforcing its commitment to nation-building through science and technology.

Key Outcomes

The III–2026 Conclave achieved several meaningful and far-reaching outcomes that will contribute significantly to the advancement of India's critical minerals and strategic resource sectors. One of the most important achievements of the conclave was the strong reinforcement of the idea that critical minerals are not merely economic commodities but strategic national assets. Deliberations clearly highlighted the urgent need for coordinated national action involving government bodies, research institutions, industry stakeholders, and policy planners to ensure resource security, technological self-reliance, and sustainable utilization.

The conclave also played a vital role in strengthening industry–academia partnerships, particularly through the dynamic innovation ecosystem fostered by IIT (ISM) Dhanbad. These collaborations were emphasized as essential for accelerating research translation, developing indigenous technologies, and promoting startup-led innovations in exploration, extraction, processing, and recycling of critical minerals. By bringing policymakers, scientists, entrepreneurs, and industry leaders onto a common platform, the event created new opportunities for collaborative research projects, skill development initiatives, and technology commercialization pathways.

A major outcome of the discussions was the clear focus on technology-driven exploration and sustainable mining practices. Advanced geospatial technologies, automation, digital mining solutions, and environmentally responsible extraction methods were highlighted as the way forward. The sessions underscored the importance of balancing mineral development with ecological conservation, community welfare, and regulatory compliance. The adoption of circular economy principles, including recycling, resource efficiency, and value recovery from mine waste, emerged as a key strategic direction for reducing dependency on imports and enhancing long-term sustainability.

Most importantly, the conclave succeeded in engaging students, young researchers, and early-career professionals, thereby nurturing future-ready human capital for the minerals and energy sectors. Through interactive sessions, exhibitions, and direct interactions with experts, participants gained valuable insights into emerging trends, research frontiers, and career pathways. This youth engagement ensures that the momentum generated by the conclave will continue through innovation, research excellence, and responsible leadership in the years ahead.

Conclusion

The successful organization of the Industry–Institute Interaction (III–2026) Conclave along with ISRO's "Space on Wheels" outreach programme stands as a landmark milestone in Jharkhand's scientific and educational landscape. Under the visionary leadership of **Vigyan Bharati Jharkhand Prant**, the initiative not only created a high-level national dialogue on critical minerals, smart mining, and green energy transitions but also ensured that scientific knowledge reached grassroots levels through direct student engagement.

The conclave provided a powerful platform where policymakers, scientists, industry leaders, academicians, and young researchers collectively deliberated on India's roadmap toward self-reliance. The discussions reinforced the strategic importance of critical minerals as national assets, the necessity of technology-driven smart mining practices, and the integration of sustainability principles within mineral development. The sessions highlighted the importance of indigenous processing, value addition, recycling, digital repositories, regulatory reforms, financing mechanisms, and renewable energy integration to strengthen India's long-term resource security. By bridging industry, academia, and research institutions, the event laid a strong foundation for coordinated action aligned with the vision of Atmanirbhar Bharat.

Simultaneously, the "Space on Wheels" programme by the **Indian Space Research Organisation (ISRO)** emerged as an extraordinary outreach movement, directly impacting more than 28,000 students across Jharkhand. With approximately 13,000 students participating at IIT (ISM) Dhanbad and over 15,000 students engaging at various Ranchi centres including Loreto Convent School, Doranda and Bridgeford School, Ranchi, the programme successfully brought India's space achievements directly to young minds. The exhibition not only showcased launch vehicles, satellites, and landmark missions such as Chandrayaan and Mangalyaan but also demonstrated the real-life applications of space technology in agriculture, disaster management, climate monitoring, navigation, and communication.

The overwhelming response from students reflected a growing scientific temperament and curiosity among the youth. For many students, especially those from rural and tribal backgrounds, the direct interaction with scientists and exposure to advanced technological models was transformative. It instilled confidence, aspiration, and a broader vision for career possibilities in science, engineering, and research.

In essence, the combined impact of III–2026 and the Space on Wheels outreach transcended the boundaries of a conventional conference or exhibition. It evolved into a comprehensive scientific movement—connecting policy with practice, research with industry, and innovation with inspiration. The initiative strengthened collaborative networks, encouraged responsible and sustainable development, and inspired thousands of young minds to contribute to the nation's scientific progress.

Through these efforts, Vigyan Bharati Jharkhand Prant reaffirmed its commitment to fostering scientific awareness, national development, and self-reliance. The event will remain a significant reference point in the state's journey toward becoming a vibrant hub of scientific innovation, technological advancement, and youth empowerment, contributing meaningfully

to India’s long-term vision of sustainable growth and global leadership in science and technology.

Industry-Institute-Interaction (III-2026) Conclave and Exhibition

Smart Mining, Critical Minerals and Green Energy: Need for Atm Nirbhar Bharat

बसंतोत्सव

विज्ञान और संस्कृति को समर्पित

February 6-8, 2026

Venue: IIT (ISM) Dhanbad

Organized by

Vijnana Bharati (VIBHA)

Jointly with

Indian Institute of Technology (Indian School of Mines), Dhanbad

Central Institute of Mining and Fuel Research (CSIR-CIMFR)

TEXMiN
(A Section 8 Mining TTRP of DST, GoI)

Committee III-2026

Chief Patrons

Dr Shekhar C Mande, Former Director-General and Secretary, CSIR, National President, VIBHA
Prof Prem Vrat, Chairman, BoG, IIT (ISM) Dhanbad
Dr Shiv Kumar Sharma, National Organising Secretary, VIBHA
Prof D D Misra, Chairman, Research Council, CSIR-CIMFR

Patrons

Prof Sukumar Mishra, Director IIT(ISM) Dhanbad
Prof Arvind Kumar Mishra, Director, CSIR- CIMFR
Shri Parveen Ramdas, National Joint Organising Secretary, VIBHA
Shri Vivekananda Pai, Secretary General, VIBHA

Organizing Committee:

Prof Dheeraj Kumar, Dy. Director, IIT (ISM), Chairman
Dr M P Roy, Chief Scientist, CSIR-CIMFR, Convenor
Prof Ejaz Ahmed, IIT (ISM) Dhanbad, Co-Convener
Prof Chandra Shekhar Dwivedi, Central University of Jharkhand, Co-Convenor
Shri Vijay Saklecha, Treasurer, VIBHA
Prof Saurav Datta Gupta, AGP, IIT (ISM), Co-Treasurer
Prof. Rajeev Upadhyay, Dean, IRAA, Convenor, Basant – 2026
Prof. Madhulika Gupta, IIT (ISM), Convenor, Srijan - 2026
Muhammed Danish, CBDO TEXMiN, Organizing Secretary
Dr. Sunil Kumar

National Advisory Committee

Shri Ujjwal Tah, DG, DGMS
Shri B Sairam, Chairman, CIL
Shri Asit Saha, Director General, GSI
Shri Amarendu Prakash, Chairman, SAIL
Shri Roopwant Singh, MD, GMDC
Shri M Prasanna Kumar, CMD, NLC
Shri Ajit Kumar Saxena, CMD, MOIL
Dr. Kanchan Anand Rao, CMD, UCIL
Shri Sanjeev Singh, CMD, HCL
Dr Ranjit Rath, CMD, Oil India Ltd
Shri Shantanu Roy, CMD, BEML
Shri Brijendra Pratap Singh, CMD, NALCO
Shri I D Narayan, CMD, MECL
Shri Uday Kaole, CMD, MCL
Shri Nilendu Kumar Singh, CMD, CCL
Shri Satish Jha, CMD, ECL and CMD, CMPDIL
Shri Achyut Ghatak, Director (T), CIL
Shri Ashish Kumar, Director (BD), CIL
Shri Sandeep Kumar, VP (RM), Tata Steel
Dr Vinay Prakash, CEO, Adani Enterprises Limited
Shri Arun Misra, Chief Executive Officer, HZL
Shri Chaudhari Shivraj Singh, CMD Designate, CMPDI Ltd.
Dr Deependra Singh, Chairman-cum-Managing Director, IREL
Dr Ramanuj Narayan, Director, CSIR-IMMT
Prof V M S R. Murthy, Director, IIEST (Shibpur)
Shri Aditya Johri, Executive Director- Asset Manager, CBM Asset, Bokaro, ONGC

Shri Sanjay Kumar, Head Subsurface, Essar Oil & Gas Expl. and Production Ltd. (EOGEPL)
Shri Sabyasachi Mohanty, Director (Operations), OMC
Shri Deepak N G, Managing Director Dassault Systèmes India
Shri Pramod Kaushik, President, Hexagon India
Shri Agendra Kumar, Managing Director, Esri India
Mr Anders Ridstrom, Head Asia, Member of Leadership Team - Guideline Geo
Mr Alexander Efimov, Regional Sales Director, Carlson Software Inc
Mr Manojit Haldar, Managing Director, Sandvik Mining and Rock Technology India
Dr George Barakos, WASM, Curtin University, Australia

Steering Committee

Dr J K Pandey, Chief Scientist, CIMFR & Vice President, VIBHA, Jharkhand, Chairman, Steering Committee
Shri Sreeprasad M. Kuttan, VIBHA Mumbai
Prof. A C Pandey, Executive Committee Member, VIBHA, Jharkhand
Dr S K Kashyap, Former Chief Scientist, CSIR-CIMFR & Joint Secretary, VIBHA, Jharkhand
Prof Sarat Kumar Das, Dean (Faculty), IIT(ISM) Dhanbad
Prof. Parthasarathi Das, Dean (R&D), IIT(ISM) Dhanbad
Prof M K Singh, Dean (Academics), IIT(ISM) Dhanbad
Prof Sunil Kumar Gupta, Dean (Student Welfare), IIT(ISM) Dhanbad
Prof Rajeev Upadhyay, Dean (IRAA), IIT(ISM) Dhanbad
Prof A R Dixit, Dean (Infra), IIT(ISM) Dhanbad
Prof Alok Das, Dean (IIE), IIT(ISM) Dhanbad
Prof Rajni Singh, Dean (Corporate and Communication), IIT(ISM) Dhanbad
Shri Prabodh Pandey, Registrar, IIT(ISM) Dhanbad
Shri Vipin Singh Rawat, VIBHA, Delhi
Shri Ankit Singh Rawat, VIBHA, Delhi
Dr Aditya Rana, EC Member VIBHA, Jharkhand Prant
Dr Anresha Ghosh, EC Member VIBHA, Jharkhand Prant

Chairman
Prof. Dheeraj Kumar
Dy. Director, IIT(ISM) Dhanbad

Co-Chairman
Dr. N. P. Shukla
Former Chairman / Member (Technical) CAQM, New Delhi
&
Member Governing Council, Vijnana Bharati (VIBHA)

Convener

Dr. M. P. Roy
Chief Scientist, Blasting Department
Central Institute of Mining and Fuel Research (CSIR-CIMFR), Dhanbad
Ph.: 0326-2296028 (Extn.4455| (O), Mob.: +91-9431315871
E-mail : mproy14@yahoo.com I mproycimfr@gmail.com

Co-Convener

Prof. Ejaz Ahmad
Assistant Professor, Deptt. of Chemical Engineering
Indian Institute of Technology (ISM), Dhanbad-826004
Mob.: +91-9891566334 Email : ejaz@iitism.ac.in

Prof. Chandra Shekhar Dwivedi
Secretary Vigyan Bharti, Jharkhand
Mob.: +91-7895833364, 8770995427
Email : cshekhariirs23@gmail.com

बसंतोत्सव

विज्ञान और संस्कृति को समर्पित

GOLD SPONSOR

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड HCL

बीसीसीएल BCCL
भारत कोकिंग कोल लिमिटेड
Bharat Coking Coal Limited

SILVER SPONSOR

JM
Digital Innovation. Natural Balance.

BRONZE SPONSOR

vedanta
transforming for good

aluminium

DMSL
PARTNERS IN UNLOCKING VALUE

JINDAL POWER

GEO TEK

USHA MARTIN

ORICA

Maheshwari

GIS SPONSOR

esri India
THE SCIENCE OF WHERE

बसंतोत्सव
विज्ञान और संस्कृति को समर्पित

Industry Partners & Support

SPRY

CCL
Fuelling Sustainable Growth
CENTRAL COALFIELDS LTD.

CDET EXPLOSIVE INDUSTRIES

MTTS LLP, Asansol

THRIVENI SAINIK

Complete
Instrumentation Solutions

imfa
Indian Metals and Ferro Alloys Ltd.

75 Years Young | A Force for Good

TEXMiN

USHA MARTIN

NML

CSIR - CMERI

सीडैक
CDAC

CSIR-IICB

CSIR-SERC
ENGINEERING SUSTAINABLE STRUCTURES

iict
CSIR - IICT

CIMFR

CMT
raashtr pratham

RESCMM
raashtr pratham

CSIR
भारत का नवाचार इंजन
The Innovation Engine of India

CSIR-AMPRI

Global Universities

Curtin University

UNIVERSITY OF CAMBRIDGE

The First Higher Technical University in Russia
EMPRESS CATHERINE II
SAINT PETERSBURG
MINING UNIVERSITY

UiT The Arctic University of Norway